RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 04 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 161 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

'इंडिया' गठबंधन का प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा से कोई मुकाबला नहीं - फडणवीस

एक समाचार पोर्टल के खिलाफ जांच में चीन की फंडिंग का खुलासा...

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि इंडिया गठबंधन की विश्वसनीयता और नेतृत्व के मुद्दे हैं और इसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से कोई मुकाबला नहीं है। प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि एक समाचार पोर्टल के खिलाफ जांच में चीन की फंडिंग का खुलासा हुआ है, जो दिखाता है कि कुछ ताकतें मोदी सरकार की विकास की गाड़ी को पटरी से उतारना चाहती हैं।

इससे पहले में दिल्ली पुलिस ने चीन के समर्थन में प्रचार के लिए धन प्राप्त करने के आरोप में यूएपीए के तहत दर्ज मामले में एक ऑनलाइन समाचार पोर्टल और उसके पत्रकारों से जुड़े तीस स्थानों पर तलाशी ली। फडणवीस ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाले विपक्षी समूह में विश्वसनीयता की कमी है। इंडिया गठबंधन के किसी भी नेता ने राष्ट्रीय अपील नहीं की है। उनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है और देश के विकास के लिए उनके पास दूरदृष्टि का अभाव है।

उन्होंने आरोप लगाया कि समूह का एकमात्र एजेंडा प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करना है, क्योंकि वे जानते हैं कि मोदी के तीसरी बार सत्ता में लौटने पर उनका भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस), अखिलेश यादव (सपा) और तेजस्वी यादव (राजद) जैसे नेता विपक्षी खेमे को नेतृत्व प्रदान नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, 'इन नेताओं के बीच मतभेद हैं जो चुनाव के बाद और बढ़ेंगे।' उन्होंने कहा कि देश के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि इंडिया गठबंधन का मोदी से कोई मुकाबला नहीं है।

भाजपा की लड़ाई इंडिया गठबंधन के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनके पीछे की ताकतों के खिलाफ है जो देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। फडणवीस ने कहा कि शिवसेना और राकांपा (अजित पवार गुट) की त्रिपक्षीय सरकार में भाजपा बड़े भाई की भूमिका में है।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं ने लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। फडणवीस ने कहा, 'भारत अब सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पहले हम दूसरे देशों के पीछे जाते थे लेकिन अब अन्य विकसित देश हमारे पास आ रहे हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा की लड़ाई इंडिया गठबंधन के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनके पीछे की ताकतों के खिलाफ है जो देश में अराजकता फैलाना चाहते हैं। फडणवीस ने कहा कि शिवसेना और राकांपा (अजित पवार गुट) की त्रिपक्षीय सरकार में भाजपा बड़े भाई की भूमिका में है। उन्होंने कहा, 'बड़े भाई के तौर पर भाजपा को उदार होने और जरूरत पड़ने पर त्याग करने की जरूरत होती है। लेकिन हम अपने सिद्धांतों और उद्देश्यों से विचलित नहीं होंगे।'

नांदेड़ सरकारी अस्पताल में 31 मौत पर भड़के शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल,

डीन से साफ करवाया टॉयलेट...

महाराष्ट्र : नांदेड़ जिले के डॉ शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में सोमवार से अब तक 31 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार को एक ही दिन में 24 मरीजों की मौत हो गई। इनमें 12 बच्चे भी शामिल थे। इस घटना के सामने आते ही पूरे महाराष्ट्र और देश में हड़कंप मच गया। इस स्थिति को लेकर कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने राज्य सरकार पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण ने कल तत्काल अस्पताल का दौरा किया और उसका निरीक्षण किया। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, शिवसेना ठाकरे गुट के नेता सुषमा अंधारे, आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाए। इसके अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी सवाल उठाए हैं। मंगलवार को शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल ने अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान हेमंत पाटिल आक्रामक थे। उन्होंने अस्पताल के डीन एस आर वाकोडिकर

से शौचालय साफ कराया गया। उनके एक्शन को लेकर इधर-उधर चर्चा हो रही है।

दरअसल जानकारी मिल रही है कि नांदेड़ के अस्पताल में दवाओं की कमी के कारण बच्चों की मौत हुई है। इस पर सांसद हेमंत पाटिल ने विष्णुपुरी स्थित अस्पताल का दौरा किया और अलग-अलग विभागों में जाकर निरीक्षण किया। इस बीच कई वार्डों में शौचालय बंद थे। कई जगहों पर देखा गया कि शौचालयों में रखे सामान को तोड़-फोड़ कर नष्ट कर दिया गया। इस पर गुस्साए सांसद हेमंत पाटिल ने पानी का पाइप हाथ में ले लिया और चिकित्सा अधीक्षक एस आर वाकोडिकर से बाथरूम साफ कराया। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में रजिस्टर की जांच की। विष्णुपुरी अस्पताल और उसके आसपास गंदगी की स्थिति पर गहरा गुस्सा जताया। सफाई निरीक्षक को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

इस बीच, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश के बाद राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री और संरक्षक मंत्री गिरीश महाजन तत्काल नांदेड़ के लिए रवाना हो गए हैं। बताया गया है कि इस मौके पर सांसद प्रताप पाटिल चिखलीकर भी उनके साथ रहेंगे। सबसे पहले यह बात सामने आई है कि ठाणे के कलवा, नांदेड़ और फिर छत्रपति संभाजीनगर में कुछ मरीजों की मौत हुई है। इससे राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का मुद्दा भी सामने आ गया है।

मुंबई में बच्चा बेचने का रैकेट पकड़ाया, 6 महिलाएं गिरफ्तार

गिरोह में एक फर्जी डॉक्टर भी थी, नवजात को 5 लाख में बेचा था

मुंबई : मुंबई में मंगलवार 3 अक्टूबर एक बच्चा बेचने का गिरोह पकड़ाया है। इसमें 6 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि इन्होंने एक नवजात को 5 लाख में बेचा था। गिरोह में एक फर्जी डॉक्टर भी थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रॉम्बे में एक फर्जी नर्सिंग होम चल रहा है। यहां से एक बच्चे को बिना किसी डॉक्यूमेंट के 5 लाख में बेचा गया। पुलिस ने सोमवार 2 अक्टूबर को छापा मारा और 2 महिलाओं को पकड़ लिया। इनके पास से बच्चा भी मिल गया।

बाद में चार महिलाओं का पता चला

पहले पकड़ाई दो महिलाओं से

चार अन्य महिलाओं का पता चला। इनमें से एक महिला फर्जी डॉक्टर निकली। ये सभी गिरोह में शामिल थीं। आरोपियों में से एक के नाम पर इसी तरह के अपराध के 6 मामले थे। इन महिलाओं को आईपीसी की धारा 370 (लोगों की तस्करी), बाल न्याय (बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण) अधिनियम और महाराष्ट्र मेडिकल प्रैक्टिसनर एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

संपादकीय / लेख

स्वास्थ्य के लिए तीन तरफा चुनौतियां

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

स्वास्थ्य के समक्ष गंभीर खतरा पैदा होने पर बचाव के लिए लोग प्राय: प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) लेते हैं। मगर अब ऐसी दवाएं हमें बीमार करने वाले रोगाणुओं को मारने में निष्प्रभावी साबित हो रही हैं। यह स्थिति एंटीबायोटिक के आवश्यकता से अधिक एवं गैर-जरूरी इस्तेमाल के कारण उत्पन्न हुई है। यह स्थिति रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) कहलाती है और तब उत्पन्न होती है जब रोगाणु एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोध क्षमता विकसित कर लेते हैं। एएमआर अब लोगों की जान के लिए खतरा बन गया है। अनुमानों के अनुसार एंटीबायोटिक के बेअसर रहने से 2019 में लगभग 50 लाख लोगों की जान चली गई।

मामला यहीं खत्म नहीं होता है। हम दवाओं के मौजूदा भंडार का भी संरक्षण नहीं कर रहे हैं और नए एंटीबायोटिक भी कम हो गए हैं या एक तरह से आने बंद हो गए हैं। इन दवाओं पर शोध, इनके विकास एवं खोज के कारोबार से जुड़ी कंपनियां अब धीरे-धीरे कन्नी काट रही हैं। यह स्थिति लगातार बनी रही तो इसका अर्थ यह होगा कि आने वाले समय में हम तीन तरफा मुश्किलों में घिर जाएंगे। पहली मुश्किल तो यह खड़ी होगी कि जिन एंटीबायोटिक का हम इस समय इस्तेमाल कर रहे हैं वे निष्प्रभावी हो जाएंगे, दूसरी मुश्किल यह होगी कि नए एंटीबायोटिक उपलब्ध नहीं रहेंगे और तीसरी मुश्किल यह कि सभी लोगों के लिए इन दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता अत्यंत बढ़ जाएगी। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए विषम एवं आपात आपात स्थिति होगी और संभवत: दुनिया ने अब तक जितनी मुश्किलें देखी हैं उनमें सर्वाधिक गंभीर होगी।

1940 के दशक में दूसरे विश्व युद्ध के बाद पेनिसिलिन का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हुआ था। पेनिसिलिन पहली एंटीबायोटिक दवा है जिसकी खोज 1928 में हुई थी। उसके बाद से इन दवाओं पर दुनिया की निर्भरता काफी बढ़ गई। बाद के दशकों में और कई खोजें हुईं। मगर 1980 के दशक में आकर ये सभी बंद हो गईं। उसके बाद रोगाणुओं से लड़ने वाले नोवेल एंटीबायोटिक (नए प्रकार के एंटीबायोटिक) खोजने के बजाय एक ही श्रेणी की दवाएं थोड़े बहुत बदलाव के साथ तैयार होने लगीं। इनके खिलाफ बैक्टीरिया आसानी से प्रतिरोध क्षमता विकसित कर सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शब्दों में 'प्रायोरिटी पैथोजेन्स' के कारण यह समस्या गहरा गई है। अधिकांश 'प्रायोरिटी पैथोजेन्स' (एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोध क्षमता विकसित करने वाले रोगाणुओं की सूची। इन रोगाणुओं की काट ढूढ़ना एंटीबायोटिक विकास की शीर्ष प्राथमिकता है) ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया होते हैं, जिनकी कोशिका भित्ति (सेल वॉल) पेचीदा होती है और वे दुनिया में न्यूमोनिया सहित गंभीर संक्रमण पैदा करते हैं। इन 'प्रायोरिटी पैथोजेन्स' से निपटने के लिए हमें नई श्रेणी के एंटीबायोटिक और उन्हें पूरी दुनिया में उपलब्ध कराने की जरूरत है। उन लोगों तक भी इन्हें उपलब्ध कराने की जरूरत है, जो नई दवाओं के लिए अधिक रकम खर्च की क्षमता नहीं रखते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विकास के विभिन्न चरणों में एंटीमाइक्रोबियल एजेंट पर अपने सालाना अध्ययन में कहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान विकसित 12 एंटीबायोटिक में केवल दो ही नए माने जा सकते हैं और उनमें भी केवल एक 'क्रिटिकल' प्रायोरिटी एजेंट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। डब्ल्यूएचओ के प्रायोरिटी पैथोजेन्स को तीन उप श्रेणियों 'क्रिटिकल', 'हाई' एवं 'मीडियम' में वर्गीकृत किया गया है। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि इन दवाओं के आने सिलसिला थम रहा है और वह भी बहुत तेजी से। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केवल एक या दो एंटीबायोटिक आवेदन के चरण तक पहुंच पाए हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई की आठ लोकसभा सीटों पर उद्धव ठाकरे की पार्टी की नजर,

इस रणनीति पर काम करने के लिए तैयार...

मुंबई : उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना-यूबीटी मुंबई महानगर क्षेत्र की 10 में 8 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है. इसके लिए वह गिव एंड टेक की नीति पर काम करने के लिए तैयार है. सूत्रों ने बताया कि उद्धव ठाकरे पिछले कुछ दिनों से पार्टी कार्यकताओं और नेताओं से सलाह-मशविरा कर रहे हैं. इसी क्रम में मंगलवार को उन्होंने मुंबई उत्तर पूर्व और मुंबई उत्तर लोकसभा सीट के पदाधिकारियों से मुलाकात की. दरअसल, 2019 में जब बीजेपी के साथ मिलकर अविभाजित शिवसेना ने चुनाव लड़ा था तो उसे मुंबई की छह में से तीन सीटों पर जीत हासिल हुई थी. मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण मध्य और मुंबई उत्तर पश्चिम सीटों तो इसने जीती ही थीं. इसके अलावा कल्याण, ठाणे और पालघर की सीटें भी अपने नाम की थीं. हालांकि, मुंबई दक्षिण मध्य, मुंबई उत्तर पश्चिम, पालघर और कल्याण के सांसदों ने आगे एकनाथ शिंदे के गुट वाली शिवसेना को समर्थन दे दिया था.

भिवंडी सीट पर लड़ना चाहती है शिवसेना-यूबीटी

शिवसेना-यूबीटी से जुड़े सूत्रों ने कहा कि मुंबई उत्तर पूर्व के पूर्व सांसद संजय दीना पाटिल हमारी पार्टी में शामिल हो गए हैं और हम इस सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं. हम मुंबई उत्तर मध्य और मुंबई उत्तर सीटें कांग्रेस और एनसीपी के लिए छोड़ने को तैयार हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछले चुनाव में भिवंडी सीट पर चुनाव लड़ा था लेकिन हम इस बार शिवसेना-यूबीटी यहां से अपना उम्मीदवार खड़ा करना चाहती है. बता दें कि मुंबई नॉर्थ सेंट्रल से बीजेपी की पूनम महाजन ने कांग्रेस की प्रत्याशी प्रिया दत्त को मात दी थी.

गठबंधन के घटक को बताएगी अपनी इच्छा

मुंबई नॉर्थ सीट बीजेपी का गढ़ माना जाता है. यहां से पिछले लोकसभा चुनाव में गोपाल शेट्टी ने कांग्रेस की प्रत्याशी और एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर को हराकर भारी अंतर से जीत हासिल की थी. वहीं, बीजेपी के कपिल पाटिल ने भिवंडी में कांग्रेस के सुरेश तवरे को हराया था, जबकि पालघर सीट पर अविभाजित शिवसेना के प्रत्याशी को जीत मिली थी. उधर, सूत्रों का कहना है कि शिवसेना-यूबीटी महाविकास अघाड़ी के सहयोगियों के सामने अपना रुख स्पष्ट करेगी.

13 दिनों की हड़ताल के बाद नासिक के थोक बाजारों में प्याज की नीलामी फिर से शुरू

नासिक : नवरात्रि और दिवाली त्योहारों से पहले राहत की खबर। प्याज व्यापारियों ने सोमवार देर रात अपनी 13 दिन लंबी हड़ताल खत्म करने के बाद मंगलवार सुबह जिले के सभी एपीएमसी में प्याज की नीलामी फिर से शुरू कर दी। जैसे ही हड़ताल वापसी की खबर फैली, प्याज से लदे लगभग सौ ट्रक नीलामी में भाग लेने के लिए सुबह से ही विभिन्न एपीएमसी में कतार में लग गए, जिसमें एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव भी शामिल है। एक स्थानीय व्यापारी ने कहा, अनुमान है कि आज 75-80 हजार क्विंटल प्याज की नीलामी होने की संभावना है, जो इन एपीएमसी में दैनिक व्यापार के लगभग आधे हिस्से के बराबर है। स्थिति तब आसान हुई जब नासिक के संरक्षक मंत्री ने व्यापारियों के साथ उनकी मांगों पर बैठक की और आश्वासन दिया कि सरकार उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नासिक जिला प्याज व्यापारी संघ के अध्यक्ष खंडू देवरे ने कहा कि व्यापारियों ने यह फैसला ह्रकिसानों के हित मेंह्व लिया है, जो खुदरा बाजारों में प्याज की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच 13 दिन की हड़ताल से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। देवरे ने चेतावनी दी, 'हमने सरकार को हमारी मांगों पर विचार करने के लिए एक महीने का समय दिया है और अगर ये पूरी नहीं हुईं, तो हम फिर से हड़ताल का सहारा लेंगे।'' गौरतलब है कि प्याज व्यापारियों ने महाराष्ट्र सरकार के साथ कई बैठकें की थीं। पिछले एक सप्ताह में सरकार और केंद्र ने समाधान निकालने की कोशिश की, लेकिन कोई सौहार्दपूर्ण नतीजा नहीं निकला।

मानखुर्द इंदिरानगर परिसर में चारों ओर फैली गंदगी कचरे के ढेर दो महीनों से डेंगू मलेरिया का प्रकोप बढ़ा

मुंबई (फिरोज सिद्दीकी) मानखुर्द मंडाला रहीवसीय इलाका 30 फीट रोड़ गणेश मंदिर का परिसर एमएमआरडीए मैदान तक बड़े पैमाने पर जगह जगह गंदा गटर का बदबूदार जलजामव होने के कारण पिछले दो महीनों से इंदिरानगर सहित आस पास के रहीवसीय इलाकों में डेंगू , मलेरिया का प्रकोप बढ़ने के कारण बड़े पैमाने पर जानलेवा बुखार से ग्रस्त मरीजों की संख्या स्थानीय डिस्पांसरियो , क्लिनिको अस्पतालों में बढ़ चुकी है ।

उल्लेखनीय तौर पर समय समय कई बार मदीना होटल से लेकर गणेश मंदिर से आगे गणेश मैदान तक फैली कचरे के ढेर की शिकायत एमपूर्व मनपा विभाग संबंधित अधिकारियों को देने के बाद भी बीएमसी अधिकारियों द्वारा सफाई अभियान नही शुरू करवाते है । दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन भी नहीं चलाया बीएमसी वालो ने सफाई अभियान ।बीएमसी वालो के इस हिटलर शाही रवैया से जनता पूरी तरह से त्रस्त हो चुकी है ।

जनता की शिकायत अखबारों में प्रकाशित करने के बाद भी मनपा की सहायक आयुक्त अलका सासने की कानों में जूं तक नहीं रेंगती ,जनता की शिकायत को दोनो सहायक आयुक्त तथा मनपा आयुक्त हर्षद काले ताक पर रखकर अनदेखा करने में लगे है ।परिणाम स्वरूप अब परेशान जनता यह कहने को मजबूर है अधिकारी मस्त जनता पस्त हो चुकी है ।क्या राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ,उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ,अजीतदादा मुंबई की झोपड़पट्टियों में स्वच्छता सफाई अभियान चलाने के लिय एमपूर्व मनपा अधिकारियों को आदेश देंगे या ठंडे बस्ते में हमेशा से शिकायते जाति रहेगी ।

WHO ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित मलेरिया वैक्सीन की करता है सिफारिश...

पुणे : ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा विकसित आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन को आवश्यक सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावशीलता मानकों को पूरा करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा उपयोग के लिए अनुशंसित किया गया है। हल्ड की स्वतंत्र सलाहकार संस्था, विशेषज्ञों के रणनीतिक सलाहकार समूह (रअ्रड्ढ) और मलेरिया नीति सलाहकार समूह (टढअ्रड्ढ) द्वारा एक कठोर, विस्तृत वैज्ञानिक समीक्षा के बाद, फ्21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन को उपयोग के लिए अनुशंसित किया गया है।

''सिफारिश प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल परीक्षण डेटा पर आधारित थी, जिसने चार देशों में मौसमी और बारहमासी मलेरिया संचरण वाले स्थानों पर अच्छी सुरक्षा और उच्च प्रभावकारिता दिखाई, जिससे यह बच्चों में मलेरिया को रोकने के लिए दुनिया का दूसरा डब्ल्यूएचओ अनुशंसित टीका बन गया।'' सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने एक बयान में कहा।

वैक्सीन को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के जेनर इंस्टीट्यूट और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा यूरोपीय और विकासशील देशों के क्लिनिकल ट्रायल पार्टनरशिप ('ईडीसीटीपी'), वेलकम ट्रस्ट और यूरोपीय निवेश बैंक ('ईआईबी') के सहयोग से विकसित किया गया था। आज तक, आर21/मैट्रिक्स-एम मलेरिया वैक्सीन को घाना, नाइजीरिया और बुर्किना फासो में उपयोग के लिए लाइसेंस दिया गया है।

एसआईआई ने कहा, ''कीटनाशक-उपचारित मच्छरदानी के उपयोग जैसे सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों के संयोजन में, यह टीका

लाखों बच्चों और उनके परिवारों के जीवन को बचाने और बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।''

टीका हाल ही में बड़े पैमाने पर तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण में प्राथमिक एक साल के समापन बिंदु पर पहुंच गया है - मुख्य रूप से सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित, नियामक प्रायोजक के रूप में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ - जिसमें बुर्किना फासो, केन्या, माली और भर में 4,800 बच्चे शामिल हैं। तंजानिया. तीसरे चरण के परीक्षण के परिणाम प्रकाशन से पहले सहकर्मी समीक्षा के अधीन हैं।

डॉ. लिसा स्टॉकडेल, वरिष्ठ इम्यूनोलॉजिस्ट, द जेनर इंस्टीट्यूट, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने कहा, ''आज की खबर हमारी छोटी लेकिन समर्पित टीम के काम का प्रमाण है और इसका मतलब है कि हमारे पास इस बीमारी से लड़ने के लिए एक और उपकरण है जो हर दिन पांच लाख से अधिक लोगों की जान लेता है।'' वर्ष। हालाँकि, आगे का काम न केवल यह स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि टीका काम करता है, बल्कि यह कैसे काम करता है इसके बारे में और अधिक समझने के लिए, और उस ज्ञान को भविष्य के टीकों पर लागू करने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा, ''बहुत लंबे समय से, मलेरिया ने दुनिया भर में अरबों लोगों के जीवन को खतरे में डाल दिया है, जो हमारे बीच सबसे कमजोर लोगों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि डब्ल्यूएचओ की सिफारिश और आर21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन की मंजूरी इस जानलेवा बीमारी से निपटने की हमारी यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जो दिखाता है कि जब सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, वैज्ञानिक और शोधकर्ता मिलकर काम करते हैं तो वास्तव में क्या हासिल किया जा सकता है। एक साझा लक्ष्य की ओर एक साथ।''

''जैसा कि हम सभी के लिए एक स्वस्थ, अधिक न्यायसंगत दुनिया बनाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखते हैं, मुझे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा आर21 मलेरिया वैक्सीन विकसित करने में निभाई गई भूमिका पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है। अदार पूनावाला ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने के लिए तत्पर हैं कि यह उन लोगों के लिए सुलभ हो, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने आगे कहा कि डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमोदन और सिफारिशों के साथ, अतिरिक्त नियामक अनुमोदन शीघ्र ही मिलने की उम्मीद है और आर21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन खुराक अगले साल की शुरूआत में व्यापक रोल-आउट शुरू करने के लिए तैयार हो सकती है।

पनवेल में 'प्वाइंट फेल्योर' के कारण मुंबई के हार्बर, ट्रांस-हार्बर रेल नेटवर्क पर लोकल ट्रेन सेवाओं में देरी हुई...

मुंबई : मध्य रेलवे (सीआर) के अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार सुबह लगभग दो घंटे तक ट्रैक चेंजिंग पॉइंट की विफलता के कारण मुंबई के हार्बर और ट्रांस-हार्बर उपनगरीय नेटवर्क पर लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। पड़ोसी रायगढ़ जिले में स्थित पनवेल रेलवे स्टेशन पर सुबह 5.35 बजे से 7.25 बजे के बीच प्वाइंट फेल हो गया, जिसके कारण पनवेल पर समाप्त होने वाली और वहां से शुरू होने वाली उपनगरीय सेवाएं लगभग 30 मिनट की देरी से चलीं। सेंट्रल रेलवे (सीआर) की हार्बर लाइन मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) को पनवेल के साथ-साथ नवी मुंबई उपनगरों से जोड़ती है, जबकि ट्रांस-हार्बर लाइन पनवेल को

ठाणे से जोड़ती है। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवराज मानसपुरे ने सुबह कहा, ''पनवेल जाने वाली हार्बर और ट्रांस-हार्बर उपनगरीय ट्रेनें बेलापुर पनवेल खंड के बीच 30 मिनट की देरी से चल रही हैं।'' उन्होंने दावा किया कि सीएसएमटी से वाशी और बेलापुर जाने वाली ट्रेनें सही समय पर चल रही हैं। हालाँकि, यात्रियों ने शिकायत की कि ट्रेनें अपने नियमित समय से कम से कम 10 से 15 मिनट पीछे थीं। प्वाइंट विफलता ट्रैक के चल टुकड़ों या उनके संचालन उपकरण में एक खराबी है जो ट्रेनों को ट्रैक बदलने में सक्षम बनाती है।

एक दिन पहले, पनवेल स्टेशन यार्ड से गुजरने वाली महत्वाकांक्षी वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की दो नई लाइनों के लिए बुनियादी ढांचे के काम के लिए सीआर का 38 घंटे लंबा मेगा ब्लॉक चार घंटे से अधिक की देरी के बाद समाप्त हुआ, जिससे यात्रियों को कठिनाई हुई। हार्बर और ट्रांस-हार्बर लाइनें। मुंबई के मध्य रेलवे नेटवर्क में लोकल ट्रेनें दैनिक आधार पर लगभग 35 लाख यात्रियों को यात्रा कराती हैं। हार्बर और ट्रांस-हार्बर लाइनें सीआर की मेन लाइन सेवा के अतिरिक्त हैं जो सीएसएमटी-कसारा और सीएसएमटी-खोपोली मार्गों पर संचालित होती हैं।

दादर में स्विमिंग पूल में देखा गया दो फुट लंबा मगरमच्छ

मुंबई : एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार तड़के दादर के केंद्रीय उपनगर में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के एक स्विमिंग पूल में दो फुट लंबा मगरमच्छ का बच्चा पाया गया। नगर निकाय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सदस्यों के उपयोग के लिए सुविधा खोले जाने से पहले, ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल, महात्मा गांधी जलतरन तालाब का निरीक्षण करते समय एक स्वच्छता कार्यकर्ता ने सुबह 5.30 बजे मगरमच्छ के बच्चे को देखा।

इसमें कहा गया है कि विशेषज्ञों की मदद से सरीसृप को सुरक्षित बचा लिया गया और बीएमसी इसे अपने प्राकृतिक आवास में छोड़ने के लिए वन विभाग को सौंप देगी। उप नगर आयुक्त किशोर गांधी ने विज्ञप्ति में कहा, ''यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि मगरमच्छ स्विमिंग पूल में कैसे पहुंचा और इसके आधार

पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।''

स्विमिंग पूल और सभागारों के समन्वयक, संदीप वैशम्पायन ने कहा कि नागरिक निकाय के संबंधित कर्मचारी सदस्यों के लिए खोलने से पहले हर दिन स्विमिंग पूल का निरीक्षण करते हैं। उन्होंने कहा, ''दादर में सुबह करीब साढ़े पांच बजे ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल में एक मगरमच्छ देखा गया.'' उन्होंने बताया कि विशेषज्ञों की मदद से मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ने के लिए तत्काल कार्रवाई की गई और इसे वन विभाग को सौंपने की प्रक्रिया जारी है।

मानसून के लौटने की संभावना

मुंबई : देशभर में भले ही बारिश अपने अंतिम चरण में हो, लेकिन महाराष्ट्र से अभी भी मेघराज जाने को तैयार नहीं हैं। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले ४८ घंटों में प्रदेश में बारिश की तीव्रता बढ़ जाएगी। इसके तहत राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। दूसरी तरफ यह भी अनुमान लगाया गया है कि चार अक्टूबर से राज्य से मानसून लौटने लगेगा। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में सितंबर महीने में औसत से ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विभाग ने अक्टूबर माह में औसत से कम बारिश की संभावना जताई है। साथ ही हीटवेव की भी चेतावनी दी है। फिलहाल, कोकण से सटे गोवा तट पर निम्न दबाव का क्षेत्र बन गया है। इस कारण मुंबई और कोकण में बारिश शुरू है। इसके साथ ही प्रदेश में वर्षा के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बन गया है। मौसम विभाग ने कोकण में भारी बारिश और कोल्हापुर समेत मध्य महाराष्ट्र के कुछ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसमें कोल्हापुर के साथ ही पुणे, सांगली, सतारा जैसे कई जिले शामिल हैं, वहीं विदर्भ और मराठवाड़ा के कुछ जिलों में भी बारिश की चेतावनी दी गई है।

ब्लड डोनेशन के बाद केवल १० रुपए की आधी चाय और दो बिस्कुट

मुंबई : ब्लड डोनरों के भरोसे पूरे राज्य में रक्तदान आंदोलन खड़ा हुआ, जो अब एक वट वृक्ष के रूप में परिवर्तित हो गया है। प्रदेश में लोग खुद ही आगे आकर ब्लड डोनेट करने लगे हैं, जिस कारण स्वैच्छिक रक्तदाताओं की संख्या बढ़ी है।

ब्लड डोनेशन के बाद केवल १० रुपए की आधी चाय और दो बिस्कुट दिए जाते हैं। हालांकि, रक्तदाताओं के लिए जारी शासनादेश में साफ उल्लेखित है कि उनके नाश्ते पर २५ रुपए खर्च किए जाने चाहिए, लेकिन उन्हें रक्तदान के बाद केवल चाय और बिस्कुट से निपटा दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि पहले

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन से स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल के पास प्रति स्वैच्छिक रक्तदाता ५८.३४ रुपए का फंड आता था। काउंसिल १८.४० रुपए काटकर बाकी ४० रुपए अधिकृत ब्लड बैंकों को दे देती थी। ब्लड बैंकों की तरफ से ब्लड डोनरों के नाश्ते पर २५ रुपए खर्च करती है, वहीं बहुत पहले से ही रक्तदान शिविरों के आयोजन पर १५ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। फिलहाल, अभी तक इस अनुदान में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। यही कारण है कि आज भी स्वैच्छिक रक्तदाताओं को १० रुपए के नाश्ते पर बुलाया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, खास बात यह है कि कोरोना के बाद से मौजूदा 'घाती'सरकार के राज में सब्सिडी ही नहीं मिल रही है।

अजित पवार ने एकांत शिंदे के साथ मतभेद से इनकार किया...

मुंबईः गणेश उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री आवास 'वर्षा' में शामिल नहीं होने के बाद उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मनमुटाव से इनकार करते हुए कहा है कि यह जानबूझकर नहीं किया गया था। ऐसी अफवाहें हैं कि पिछले कुछ दिनों में शिंदे और पवार के बीच रिश्ते खराब हो गए हैं. हाल ही में संपन्न गणेशोत्सव के दौरान सीएम के आधिकारिक आवास पर पवार की अनुपस्थिति ने भी इन शीर्ष नेताओं के बीच दरार की अटकलों को हवा दे दी थी।

हालांकि, पवार ने इन खबरों का खंडन करते हुए कहा कि वह पुणे के गणेशोत्सव में व्यस्त होने के कारण वर्षा नहीं जा सके। पवार ने बारामती में कहा, ''गणेश उत्सव के दौरान मैं मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर नहीं पहुंच सका क्योंकि मैं पिंपरी-चिंचवड़ और पुणे शहर में गणेश मंडलों का दौरा करने में व्यस्त था। मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया।'' गांधी जयंती के अवसर पर. ''मैंने पिंपरी-चिंचवड़ में 60 और पुणे शहर में 15 गणेश मंडलों का दौरा किया होगा। मैंने मुंबई में लालबागचा (राजा) गणपति और सिद्धिविनायक का भी दौरा किया है। इसलिए अनावश्यक रूप से (सीएम के आवास पर न जाने की) खबर को उछालने की जरूरत नहीं है।'' '' उसने जोड़ा।

जब से पवार महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल हुए हैं, तब से विशेष रूप से शिंदे-शिविर के विधायकों द्वारा आरोप लगाए जा रहे हैं कि पूर्व मंत्री अन्य मंत्रियों के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं। पवार ने हाल ही में कई मुद्दों पर समीक्षा बैठकें कीं, जो शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और भाजपा के मंत्रियों के विभागों से संबंधित थे। बारामती के कद्दावर नेता ने भी राज्य का मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त की है, जिससे सरकार के नेता के रूप में शिंदे के भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है। उनके गुट के कई विधायक भी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि पवार जल्द ही महाराष्ट्र के सीएम बनेंगे।

नांदेड़ के अस्पताल में 24 घंटे में 24 में से 12 नवजात शिशुओं की मौत

नांदेड़ः पिछले 24 घंटों में नांदेड़ के एक सरकारी अस्पताल में 12 नवजात शिशुओं और इतने ही वयस्कों की मौत हो गई, अस्पताल के डीन ने इसके लिए दवाओं और अस्पताल के कर्मचारियों की कमी को जिम्मेदार ठहराया। नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल के डीन ने कहा, पिछले 24 घंटों में हुई 24 मौतों में से 12 वयस्क ''विभिन्न बीमारियों, ज्यादातर सांप के काटने'' से पीड़ित थे। उन्होंने कहा, ''पिछले 24 घंटों में छह पुरुषों और छह मादा शिशुओं की मौत हो गई। बारह वयस्कों की भी विभिन्न बीमारियों के कारण मौत हो गई, जिनमें से ज्यादातर सांप के काटने से थे। विभिन्न कर्मचारियों के स्थानांतरण के कारण हमें कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ा।'' ''हम तृतीयक स्तर के देखभाल केंद्र हैं और 70 से 80 किलोमीटर के दायरे में एकमात्र ऐसा स्थान है। इसलिए, मरीज दूर-दूर से हमारे पास आते हैं। कुछ दिनों में, रोगियों की संख्या बढ़ जाती है और यह एक समस्या पैदा करती है बजट, ''उन्होंने कहा।

2 और नगरसेवक शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल हुए, टैली 35 तक पहुंची...

मुंबई : चांदीवली के दो और पूर्व नगरसेवक, लीना शुक्ला और हरीश शुक्ला, मंगलवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना में शामिल हो गए, जिससे मुंबई में पार्टी में शामिल होने वाले नगरसेवकों की कुल संख्या 35 हो गई। कांग्रेस ब्लॉक महिला विंग की अध्यक्ष माया खोत, उपाध्यक्ष दो पूर्व नगरसेवकों के साथ अध्यक्ष जया नादर और कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता भी शिवसेना में शामिल हुए।

एमवीए शासन के दौरान व्यक्तिगत अहंकार के कारण अधिकांश परियोजनाएं रुक गईं

''एमवीए शासन के दौरान सभी काम लगभग रुक गए थे। शुरूआती कुछ महीनों के लिए उडश्क्ळ एक कारण था, लेकिन उसके बाद भी विकास को वह गति नहीं मिली जिसकी उसे आवश्यकता थी। अधिकांश परियोजनाएं व्यक्तिगत अहंकार के कारण रुकी हुई थीं वास्तव में यह प्रत्येक मुख्यमंत्री का कर्तव्य है कि वह अपनी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद को दूर रखें और राज्य के सर्वोत्तम हितों के पक्ष में निर्णय लें। लेकिन, एमवीए शासन के दौरान ऐसा नहीं था,'' सीएम शिंदे ने शिवसेना की आलोचना करते हुए कहा (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना। सीएम शिंदे ने कहा, ''मुंबई अंतरराष्ट्रीय ख्याति का शहर है और इसके निवासी उस स्तर की सुविधाएं पाने के हकदार हैं।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई नई डिस्पेंसरियां गरीबों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि बीएमसी कर्मियों को अच्छी स्थिति मिले ताकि वे पूरे मन से शहर की भलाई के लिए काम कर सकें। सीएम ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी दिन-ब-दिन सत्ता हासिल कर रही है और कहा कि उनके पास अब 35 नगरसेवक हैं जो 2017 में चुने गए थे। शिंदे ने शहर को चलाने के साथ-साथ सीओवीआईडी स्थिति को संभालने में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के लिए शिवसेना (यूबीटी) की भी आलोचना की और कहा कि वह उन लोगों को कभी धोखा नहीं देते हैं जो शुद्ध दिल से उन पर भरोसा करते हैं।

सीएम शिंदे की कार्यशैली से प्रभावित

लीना शुक्ला ने मुंबई में विकास का श्रेय सीएम शिंदे को देते हुए कहा कि सीएम शिंदे की कार्यशैली से प्रभावित होकर उन्होंने और उनके साथी कार्यकताओं ने शिवसेना में शामिल होने का फैसला किया. उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कि सीएम शिंदे इस सीट पर बने रहें, शिवसेना के लिए काम करने की प्रतिबद्धता जताई। पूर्व नगरसेवकों का स्वागत करते हुए सीएम शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार के सत्ता में आने के बाद मुंबई के बुनियादी ढांचे के विकास की गति में बदलाव ध्यान देने योग्य है और लोगों ने उन्हें जनादेश दिया है।

लुटेरे गाँव में घुस... बंदूक की नोक पर दो घरों में डकैती,

जांच में जुटी पुलिस

जलगांवः जिले के कजगांव (भड़गांव) के गोंडगांव रोड पर लुटेरों ने ओंकार रामदास चव्हाण और निवासी राजश्री नितिन देशमुख के घर पर हमला कर उन्हें धारदार तलवार से धमकाया और 5 लाख 51 हजार रुपये की नकदी लूट ली. डकैती की यह रोमांचक घटना सोमवार की सुबह एक से ढाई बजे के बीच हुई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन क्षेत्र कजगांव निवासी राजश्री नितिन देशमुख (48) अपने घर में अकेले थे, तभी आधी रात को लुटेरे उनके घर में दरवाजे की चौखट तोड़कर घुस गये. बजाय इसके कि सोने को अलमारी में रखा जाए और शरीर पर पहना जाए। उसने महिला को तलवार और लोहे की रॉड से भी धमकाया। लुटेरों ने इस घर से साढ़े सात तोला सोना और एक लाख रुपये नकद लूट लिये. इसके बाद वे वहां से कुछ दूरी पर स्थित बापू खोमाने के घर की दीवार तोड़ने की कोशिश करने लगे. लेकिन बापू खोमने की नींद तब खुली जब उन्हें फोन आया कि लुटेरे आये हैं। फिर लुटेरे वहां से भाग गये. इसके बाद मार्च को कजगांव गोंडगांव मार्ग निवासी ओंकार रामदास चव्हाण के घर की ओर मोड़ दिया गया.

बाहर सो रहे ओमकार चव्हाण को इन लुटेरों ने जमकर पीटा और घर में घुस गए. उनकी पत्नी ताराबाई ओंकार चव्हाण एक कमरे में सो रही थीं. लुटेरों ने उन पर हमला किया और उनके शरीर से ढाई तोला सोना, एक किलो वजनी चांदी के हार, सोने के आभूषण और बालियां लूट लीं। साथ ही लुटेरों ने आरती साधन चव्हाण से चार से पांच लाख के बदले ढाई तोला सोना और 85 हजार रुपये नकद ले लिये. ताराबाई चव्हाण अपने कान के निचले हिस्से को खरोंचने से घायल हो गई हैं। लूटे गए घर के परिजनों ने जानकारी दी है कि लुटेरों ने साधन चव्हाण के छोटे बच्चे की गर्दन पर तलवार रखकर सारा ऐवाज को लूट लिया.

घटना की जानकारी मिलते ही वह चव्हाण के घर पहुंचे. लेकिन लुटेरे भाग निकले। अपर पुलिस अधीक्षक रमेश चोपड़े, डीवाईएसपी अभयसिंह देशमुख, पुलिस निरीक्षक राजेंद्र पाटिल, एपीआई चंद्रसेन पालकर, फौजदार डोमाले, क्राइम ब्रांच के लक्ष्मण पाटिल, काजगांव पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र विस्पुते सहित भड़गांव पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया. मौके पर फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों की टीम भी बुलाई गई। पुलिस की ओर से जांच शुरू कर दी गई है.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com